पी.जी. पंचपरगनिया

Semester-I

Foundation Course : साहित्य सिद्धांत

Question Pool

Paper Code : FCPPG121

संभावित प्रश्न बैंक (Question Pool)

इकाई-1 : काव्य

पाठ्यक्रम: काव्य का लक्षण/परिभाषा, हेतु, प्रयोजन, तत्त्व, भेद-प्रभेद एवं गुण-दोष, काव्य के रूप का अध्ययन–भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण।

A. 1 अंक के प्रश्न

1. काव्य किसे कहते हैं?
2. काव्य-हेतु से क्या अभिप्राय है?
3. काव्य-प्रयोजन क्या है?
4. काव्य के प्रमुख तत्त्व कौन-कौन से हैं?
5. काव्य के दो प्रमुख भेद कौन-से हैं?
6. काव्य-गुण किसे कहते हैं?
7. काव्य-दोष किसे कहते हैं?
8. भारतीय काव्यशास्त्र में काव्य का मूल उद्देश्य क्या माना गया है?
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख आचार्य अरस्तू ने काव्य को किससे संबंधित माना है?
10. 'अनुकरण' सिद्धांत का संबंध किस पाश्चात्य विचारक से है?
11. काव्य में कल्पना का क्या स्थान है?
12. काव्य में भाव-तत्त्व का क्या महत्त्व है?
13. काव्य में बुद्धि-तत्त्व से क्या तात्पर्य है?
14. काव्य के सौंदर्य का आधार क्या है?
15. भारतीय दृष्टिकोण में काव्य का प्रमुख तत्त्व क्या माना गया है?
16. काव्य का बाह्य रूप किसे कहते हैं?
17. काव्य का आंतरिक पक्ष किससे संबंधित है?
18. काव्य के किसी एक गुण का नाम लिखिए।
19. काव्य के किसी एक दोष का नाम लिखिए।
20. काव्य का मुख्य माध्यम क्या है?

ONLINE PPG • onlineppg.com

B. 5 अंक के प्रश्न

1. काव्य की परिभाषा स्पष्ट कीजिए।
2. काव्य-हेतु का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।
3. काव्य के प्रयोजनों पर प्रकाश डालिए।
4. काव्य के प्रमुख तत्त्वों का परिचय दीजिए।
5. काव्य के भेद-प्रभेदों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
6. काव्य-गुण से क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए।
7. काव्य-दोष का परिचय देते हुए उसके प्रमुख प्रकार बताइए।
8. काव्य में भाव और कल्पना के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
9. भारतीय दृष्टिकोण से काव्य के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
10. पाश्चात्य दृष्टिकोण से काव्य के स्वरूप का परिचय दीजिए।
11. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य-दृष्टि में अंतर स्पष्ट कीजिए।
12. काव्य के आंतरिक एवं बाह्य तत्त्वों पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

C. 15 अंक के प्रश्न

1. काव्य की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप एवं प्रमुख तत्त्वों का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
2. काव्य-हेतु एवं काव्य-प्रयोजन का विस्तार से वर्णन कीजिए।
3. काव्य के प्रमुख भेद-प्रभेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
4. काव्य-गुण एवं काव्य-दोष का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
5. भारतीय काव्यशास्त्र की दृष्टि से काव्य के स्वरूप का विवेचन कीजिए।
6. पाश्चात्य दृष्टिकोण से काव्य के स्वरूप एवं उसकी प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
7. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य-दृष्टि का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।
8. काव्य के तत्त्व, हेतु एवं प्रयोजन का समग्र विवेचन कीजिए।

इकाई-2 : साहित्य की प्रमुख विधाएँ

पाठ्यक्रम: पद्य–गीत व कविता तथा गद्य–उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबंध, लघुकथा, यात्रा-वृत्तांत, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, पत्र, डायरी, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, समीक्षा, आलोचना, समालोचना आदि के स्वरूप एवं रचना-विधान।

ONLINE PPG • onlineppg.com

A. 1 अंक के प्रश्न

1. साहित्य की दो प्रमुख विधाएँ कौन-सी हैं?
2. पद्य किसे कहते हैं?
3. गद्य किसे कहते हैं?
4. गीत किसे कहते हैं?
5. कविता किसे कहते हैं?
6. उपन्यास किसे कहते हैं?
7. कहानी किसे कहते हैं?
8. नाटक किसे कहते हैं?
9. एकांकी किसे कहते हैं?
10. निबंध किसे कहते हैं?
11. लघुकथा क्या है?
12. यात्रा-वृत्तांत किसे कहते हैं?
13. आत्मकथा क्या है?
14. जीवनी किसे कहते हैं?
15. संस्मरण किसे कहते हैं?
16. साहित्यिक पत्र से क्या अभिप्राय है?
17. डायरी किसे कहते हैं?
18. रेखाचित्र किसे कहते हैं?
19. रिपोर्ताज क्या है?
20. समीक्षा किसे कहते हैं?
21. आलोचना का अर्थ क्या है?
22. समालोचना किसे कहते हैं?
23. आत्मकथा और जीवनी में मूल अंतर क्या है?
24. नाटक और एकांकी में प्रमुख अंतर क्या है?
25. कहानी और लघुकथा में मुख्य अंतर क्या है?
26. उपन्यास का प्रमुख तत्त्व क्या है?
27. कहानी के किसी एक तत्त्व का नाम लिखिए।
28. नाटक का प्रमुख आधार क्या है?
29. यात्रा-वृत्तांत में किसका वर्णन किया जाता है?
30. संस्मरण का आधार क्या होता है?

B. 5 अंक के प्रश्न

1. गीत के स्वरूप एवं रचना-विधान को स्पष्ट कीजिए।

ONLINE PPG • onlineppg.com

2. कविता के स्वरूप एवं प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
3. उपन्यास के स्वरूप एवं रचना-विधान पर प्रकाश डालिए।
4. कहानी के प्रमुख तत्त्वों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।
5. नाटक के स्वरूप एवं रचना-विधान को स्पष्ट कीजिए।
6. एकांकी की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।
7. निबंध के स्वरूप एवं विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
8. लघुकथा की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
9. यात्रा-वृत्तांत के स्वरूप का परिचय दीजिए।
10. आत्मकथा एवं जीवनी में अंतर स्पष्ट कीजिए।
11. संस्मरण के स्वरूप एवं विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
12. पत्र-साहित्य के स्वरूप पर टिप्पणी कीजिए।
13. डायरी के स्वरूप एवं साहित्यिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
14. रेखाचित्र की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।
15. रिपोर्ताज के स्वरूप एवं विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
16. समीक्षा और आलोचना में अंतर स्पष्ट कीजिए।
17. आलोचना एवं समालोचना के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
18. कहानी और उपन्यास में अंतर बताइए।
19. नाटक और एकांकी में अंतर स्पष्ट कीजिए।
20. कहानी और लघुकथा का अंतर स्पष्ट कीजिए।

C. 15 अंक के प्रश्न

1. साहित्य की प्रमुख पद्य एवं गद्य विधाओं का परिचय देते हुए उनके स्वरूप की विवेचना कीजिए।
2. गीत एवं कविता के स्वरूप, तत्त्व और रचना-विधान का विवेचन कीजिए।
3. उपन्यास के स्वरूप, प्रमुख तत्त्वों एवं रचना-विधान का विस्तार से वर्णन कीजिए।
4. कहानी के स्वरूप, तत्त्व एवं रचना-विधान का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
5. नाटक के स्वरूप, तत्त्व एवं रचना-विधान की विस्तार से चर्चा कीजिए।
6. नाटक और एकांकी के स्वरूप एवं रचना-विधान का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।
7. निबंध एवं लघुकथा के स्वरूप और प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए।
8. आत्मकथा, जीवनी एवं संस्मरण के स्वरूप का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।
9. यात्रा-वृत्तांत, डायरी एवं संस्मरण की साहित्यिक विशेषताओं का विवेचन कीजिए।
10. रेखाचित्र एवं रिपोर्ताज के स्वरूप और रचना-विधान की विवेचना कीजिए।
11. समीक्षा, आलोचना एवं समालोचना के स्वरूप और पारस्परिक संबंधों को स्पष्ट कीजिए।

ONLINEPPG • onlineppg.com

12. आधुनिक गद्य साहित्य की विविध विधाओं के स्वरूप एवं रचना-विधान का विवेचन कीजिए।

इकाई-3 : शब्द-शक्ति, रस, छंद एवं अलंकार

पाठ्यक्रम: परिभाषा एवं भेद-प्रभेद, साधारणीकरण–अर्थ एवं परिभाषा।

छंद: चौपई, चौपाई, रोला, दोहा, सोरठा, द्रुतविलम्बित, वसंततिलका, मालिनी, मंदाक्रान्ता, सवैया, मुक्त छंद आदि।

अलंकार: अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, वीप्सा, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रांतिमान, अतिशयोक्ति, विभावना आदि।

A. 1 अंक के प्रश्न

1. शब्द-शक्ति किसे कहते हैं?
2. शब्द-शक्ति के प्रमुख भेद कौन-कौन से हैं?
3. अभिधा किसे कहते हैं?
4. लक्षणा किसे कहते हैं?
5. व्यंजना किसे कहते हैं?
6. रस किसे कहते हैं?
7. रस के प्रमुख अंग कौन-कौन से हैं?
8. स्थायी भाव क्या है?
9. विभाव किसे कहते हैं?
10. अनुभाव किसे कहते हैं?
11. संचारी भाव किसे कहते हैं?
12. साधारणीकरण किसे कहते हैं?
13. छंद किसे कहते हैं?
14. चौपई किस प्रकार का छंद है?
15. चौपाई किस प्रकार का छंद है?
16. दोहा किस प्रकार का छंद है?
17. सोरठा किस प्रकार का छंद है?
18. रोला किस प्रकार का छंद है?
19. मुक्त छंद किसे कहते हैं?

ONLINE PPG • onlineppg.com

20. दुतविलम्बित किस प्रकार का छंद है?
21. वसंततिलका किस प्रकार का छंद है?
22. मालिनी किस प्रकार का छंद है?
23. मंदाक्रान्ता किस प्रकार का छंद है?
24. सवैया किस प्रकार का छंद है?
25. अलंकार किसे कहते हैं?
26. अनुप्रास अलंकार किसे कहते हैं?
27. यमक अलंकार किसे कहते हैं?
28. श्लेष अलंकार क्या है?
29. वक्रोक्ति अलंकार किसे कहते हैं?
30. वीप्सा अलंकार क्या है?
31. उपमा अलंकार किसे कहते हैं?
32. रूपक अलंकार किसे कहते हैं?
33. उत्प्रेक्षा अलंकार किसे कहते हैं?
34. संदेह अलंकार क्या है?
35. भ्रांतिमान अलंकार किसे कहते हैं?
36. अतिशयोक्ति अलंकार किसे कहते हैं?
37. विभावना अलंकार क्या है?
38. शब्दालंकार किसे कहते हैं?
39. अर्थालंकार किसे कहते हैं?
40. उपमा के प्रमुख अंग कौन-कौन से हैं?

B. 5 अंक के प्रश्न

1. शब्द-शक्ति की परिभाषा देते हुए उसके भेदों का परिचय दीजिए।
2. अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
3. रस की परिभाषा एवं उसके प्रमुख अंगों को स्पष्ट कीजिए।
4. साधारणीकरण का अर्थ एवं स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
5. छंद की परिभाषा एवं उसके प्रमुख भेदों का वर्णन कीजिए।
6. दोहा एवं सोरठा छंद का परिचय दीजिए।
7. चौपई एवं चौपाई छंद की विशेषताएँ बताइए।
8. रोला एवं सवैया छंद का परिचय दीजिए।
9. दुतविलम्बित एवं वसंततिलका छंद की विशेषताएँ बताइए।
10. मालिनी एवं मंदाक्रान्ता छंद का परिचय दीजिए।
11. मुक्त छंद की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

ONLINE PPG • onlineppg.com

12. अलंकार की परिभाषा देते हुए उसके प्रमुख भेद बताइए।
13. अनुप्रास एवं यमक अलंकार को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
14. श्लेष एवं वक्रोक्ति अलंकार को सोदाहरण समझाइए।
15. वीप्सा एवं उपमा अलंकार का परिचय दीजिए।
16. रूपक एवं उत्प्रेक्षा अलंकार को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
17. संदेह एवं भ्रांतिमान अलंकार में अंतर स्पष्ट कीजिए।
18. अतिशयोक्ति एवं विभावना अलंकार को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
19. शब्दालंकार एवं अर्थालंकार में अंतर स्पष्ट कीजिए।
20. उपमा और रूपक अलंकार में अंतर स्पष्ट कीजिए।

C. 15 अंक के प्रश्न

1. शब्द-शक्ति की परिभाषा देते हुए अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
2. रस के स्वरूप, अंग एवं भेद-प्रभेदों का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए।
3. रस-सिद्धांत में साधारणीकरण की अवधारणा को विस्तार से स्पष्ट कीजिए।
4. छंद की परिभाषा देते हुए उसके प्रमुख भेदों एवं महत्त्व का विवेचन कीजिए।
5. पाठ्यक्रम में निर्धारित मात्रिक छंदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
6. पाठ्यक्रम में निर्धारित वर्णिक छंदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
7. दोहा, सोरठा, चौपाई एवं रोला छंद का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
8. द्रुतविलम्बित, वसंततिलका, मालिनी एवं मंदाक्रान्ता छंदों का परिचय दीजिए।
9. अलंकार की परिभाषा देते हुए शब्दालंकार एवं अर्थालंकार का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
10. अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति एवं वीप्सा अलंकारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
11. उपमा, रूपक एवं उत्प्रेक्षा अलंकारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
12. संदेह, भ्रांतिमान, अतिशयोक्ति एवं विभावना अलंकारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
13. काव्य-सौंदर्य की दृष्टि से रस, छंद एवं अलंकार के महत्त्व का विवेचन कीजिए।

ONLINE PPG • onlineppg.com

Prepared by
Dr. Basudev Mahto
Assistant Professor & In-charge
Department of Panchpargania
P.P.K. College, Bundu
(A Constituent Unit of Ranchi University, Ranchi)